

ॐ

गुणानां त्वा गुणपतिः हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।  
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आनशृण्वन्नृतिभिस्सीदसादनम् ॥

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः ।  
गुरुस्साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।  
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अखण्ड मण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम् ।  
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

# सङ्गीत पुस्तकम्

गुरु : श्री श्रीधर मरसिहान्

# अनुक्रमणिका

## सरल वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि स\* ॥

॥ स\* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । स रि । ग म ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स\* ॥

॥ स\* नि द प । स\* नि । द प ॥

॥ स\* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि स रि । स रि । ग म ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स\* ॥

॥ स\* नि स\* नि । स\* नि । द प ॥

॥ स\* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प म । ग रि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥

॥ सँ नि द प । म प । द नि ॥

॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

५.

॥ स रि ग म । प म । द प ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥

॥ सँ नि द प । म प । ग म ॥

॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

६.

॥ स रि ग स । रि ग । स रि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥

॥ सँ नि द सँ । नि द । सँ नि ॥

॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

## दीर्घ वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प , । प , ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स\* ॥

॥ स\* नि द प । म , । म , ॥

॥ स\* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प , । स , ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स\* ॥

॥ स\* नि द प । म , । स\* , ॥

॥ स\* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प , । स रि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स\* ॥

॥ स\* नि द प । म , । स\* नि ॥

॥ स\* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प , । द नि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सं\* ॥

॥ सं\* नि द प । म , । ग रि ॥

॥ सं\* नि द प । म ग । रि स ॥

## दादु वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स ग रि म । ग प । म द ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सं\* ॥

॥ सं\* द नि प । द म । प ग ॥

॥ सं\* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स म रि प । ग द । म नि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सं\*

॥ सं\* प नि म । द ग । प रि ॥

॥ सं\* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स प रि द । ग नि । म स ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सं\*

॥ सं\* म नि ग । द रि । प स ॥

॥ सं\* नि द प । म ग । रि स ॥



४.

॥ स ग प नि । रि म । द स\* ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स\* ॥

॥ स\* द म रि । नि प । ग स ॥

॥ स\* नि द प । म ग । रि स ॥

## मन्दर स्थायि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स<sup>\*</sup> नि द प । म ग । रि स ॥  
॥ स , स , । स , । स , ॥  
॥ स नि<sup>\*</sup> स रि । स रि । ग म ॥  
॥ स रि ग म । प द । नि स<sup>\*</sup> ॥

२.

॥ स<sup>\*</sup> नि द प । म ग । रि स ॥  
॥ स , स , । स , । स , ॥  
॥ स नि<sup>\*</sup> द<sup>\*</sup> नि<sup>\*</sup> । स रि । ग म ॥  
॥ प म ग रि । स र । स नि<sup>\*</sup> ॥  
॥ स नि<sup>\*</sup> स रि । स रि । ग म ॥  
॥ स रि ग म । प द । नि स<sup>\*</sup> ॥

३.

॥ स<sup>\*</sup> नि द प । म ग । रि स ॥  
॥ स , स , । स , । स , ॥  
॥ स नि<sup>\*</sup> द<sup>\*</sup> प<sup>\*</sup> । द<sup>\*</sup> नि<sup>\*</sup> । स रि ॥

॥ ग म प म । ग रि । स नि\* ॥  
॥ स नि\* द\* नि\* । स रि । ग म ॥  
॥ प म ग रि । स र । स नि\* ॥  
॥ स नि\* स रि । स रि । ग म ॥  
॥ स रि ग म । प द । नि स\* ॥

## तार स्थायि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि सं ॥  
॥ सं , सं , । सं , । सं , ॥  
॥ द नि सं रि । सं नि । द प ॥  
॥ सं नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प द । नि सं ॥  
॥ सं , सं , । सं , । सं , ॥  
॥ द नि सं रि । सं सं । रि सं ॥  
॥ सं रि सं नि । द प । म प ॥  
॥ द नि सं रि । सं नि । द प ॥  
॥ सं नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प द । नि सं ॥  
॥ सं , सं , । सं , । सं , ॥

॥ द नि सँ रिं । गं रिं । सँ रिं ॥  
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥  
 ॥ द नि सँ रिं । सँ सँ । रिं सँ ॥  
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥  
 ॥ द नि सँ रिं । सँ नि । द प ॥  
 ॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥  
 ॥ सँ , सँ , । सँ , । सँ , ॥  
 ॥ द नि सँ रिं । गं मं । गं रिं ॥  
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥  
 ॥ द नि सँ रिं । गं रिं । सँ रिं ॥  
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥  
 ॥ द नि सँ रिं । सँ सँ । रिं सँ ॥  
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥  
 ॥ द नि सँ रिं । सँ नि । द प ॥  
 ॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

## झण्टि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स स रि रि ग ग म म । प प द द । नि नि सं सं ॥

॥ सं सं नि नि द द प प । म म ग ग । रि रि स स ॥

२.

॥ स स रि रि ग ग म म । रि रि ग ग । म म प प ॥

॥ ग ग म म प प द द । म म प प । द द नि नि ॥

॥ प प द द नि नि सं सं । सं सं नि नि । द द प प ॥

॥ नि नि द द प प म म । द द प प । म म ग ग ॥

॥ प प म म ग ग रि रि । म म ग ग । रि रि स स ॥

३.

॥ स स रि रि ग ग रि रि । स स रि रि । ग ग म म ॥

॥ रि रि ग ग म म ग ग । रि रि ग ग । म म प प ॥

॥ ग ग म म प प म म । ग ग म म । प प द द ॥

॥ म म प प द द प प । म म प प । द द नि नि ॥

॥ प प द द नि नि द द । प प द द । नि नि सं सं ॥

॥ सं सं नि नि द द नि नि । सं सं नि नि । द द प प ॥

॥ नि नि द द प प द द । नि नि द द । प प म म ॥

॥ द द प प म म प प । द द प प । म म ग ग ॥

॥ प प म म ग ग म म । प प म म । ग ग रि रि ॥  
॥ म म ग ग रि रि ग ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

४.

॥ स स म म ग ग रि रि । स स रि रि । ग ग म म ॥  
॥ रि रि प प म म ग ग । रि रि ग ग । म म प प ॥  
॥ ग ग द द प प म म । ग ग म म । प प द द ॥  
॥ म म नि नि द द प प । म म प प । द द नि नि ॥  
॥ प प सँ सँ नि नि द द । प प द द । नि नि सँ सँ ॥  
॥ सँ सँ प प द द नि नि । सँ सँ नि नि । द द प प ॥  
॥ नि नि म म प प द द । नि नि द द । प प म म ॥  
॥ द द ग ग म म प प । द द प प । म म ग ग ॥  
॥ प प रि रि ग ग म म । प प म म । ग ग रि रि ॥  
॥ म म स स रि रि ग ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

५.

॥ स स ग ग रि रि म म । स स रि रि । ग ग म म ॥  
॥ रि रि म म ग ग प प । रि रि ग ग । म म प प ॥  
॥ ग ग प प म म द द । ग ग म म । प प द द ॥  
॥ म म द द प प नि नि । म म प प । द द नि नि ॥  
॥ प प नि नि द द सँ सँ । प प द द । नि नि सँ सँ ॥

॥ सं<sup>\*</sup>सं<sup>\*</sup> द द नि नि प प । सं<sup>\*</sup>सं<sup>\*</sup> नि नि । द द प प ॥  
 ॥ नि नि प प द द म म । नि नि द द । प प म म ॥  
 ॥ द द म म प प ग ग । द द प प । म म ग ग ॥  
 ॥ प प ग ग म म रि रि । प प म म । ग ग रि रि ॥  
 ॥ म म रि रि ग ग स स । म म ग ग । रि रि स स ॥

६.

॥ स स रि स स रि स रि । स स रि रि । ग ग म म ॥  
 ॥ रि रि ग रि रि ग रि ग । रि रि ग ग । म म प प ॥  
 ॥ ग ग म ग ग म ग म । ग ग म म । प प द द ॥  
 ॥ म म प म म प म प । म म प प । द द नि नि ॥  
 ॥ प प द प प द प द । प प द द । नि नि सं<sup>\*</sup>सं<sup>\*</sup> ॥  
 ॥ सं<sup>\*</sup>सं<sup>\*</sup> नि सं<sup>\*</sup> सं<sup>\*</sup>नि सं<sup>\*</sup>नि । सं<sup>\*</sup>सं<sup>\*</sup> नि नि । द द प प ॥  
 ॥ नि नि द नि नि द नि द । नि नि द द । प प म म ॥  
 ॥ द द प द द प द प । द द प प । म म ग ग ॥  
 ॥ प प म प प म प म । प प म म । ग ग रि रि ॥  
 ॥ म म ग म म ग म ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

७.

॥ स स रि रि ग स रि ग । स स रि रि । ग ग म म ॥  
 ॥ रि रि ग ग म रि ग म । रि रि ग ग । म म प प ॥  
 ॥ ग ग म म प ग म प । ग ग म म । प प द द ॥



॥ म म प प द म प द । म म प प । द द नि नि ॥  
 ॥ प प द द नि प द नि । प प द द । नि नि सं सं ॥  
 ॥ सं सं नि नि द सं नि द । सं सं नि नि । द द प प ॥  
 ॥ नि नि द द प नि द प । नि नि द द । प प म म ॥  
 ॥ द द प प म द प म । द द प प । म म ग ग ॥  
 ॥ प प म म ग प म ग । प प म म । ग ग रि रि ॥  
 ॥ म म ग ग रि म ग रि । म म ग ग । रि रि स स ॥

७.

॥ स स स रि रि रि ग म । स स रि रि । ग ग म म ॥  
 ॥ रि रि रि ग ग ग म प । रि रि ग ग । म म प प ॥  
 ॥ ग ग ग म म म प द । ग ग म म । प प द द ॥  
 ॥ म म म प प प द नि । म म प प । द द नि नि ॥  
 ॥ प प प द द द नि सं । प प द द । नि नि सं सं ॥  
 ॥ सं सं सं नि नि नि द प । सं सं नि नि । द द प प ॥  
 ॥ नि नि नि द द द प म । नि नि द द । प प म म ॥  
 ॥ द द द प प प म ग । द द प प । म म ग ग ॥  
 ॥ प प प म म म ग रि । प प म म । ग ग रि रि ॥  
 ॥ म म म ग ग ग रि स । म म ग ग । रि रि स स ॥

## स्वर-राग-ताल शास्त्र

### स्वराः

- षड्ज - प्रकृति
- रिषभ - शुद्ध (रि<sub>1</sub>)      चतुःश्रुति (रि<sub>2</sub>)      षड्श्रुति (रि<sub>3</sub>)
- गान्धार - शुद्ध (ग<sub>1</sub>)      साधारण (ग<sub>2</sub>)      अन्तर (ग<sub>3</sub>)
- मध्यम - शुद्ध (म<sub>1</sub>)      प्रति (म<sub>2</sub>)
- पञ्चम - प्रकृति
- धैवत - शुद्ध (द<sub>1</sub>)      चतुःश्रुति (द<sub>2</sub>)      षड्श्रुति (द<sub>3</sub>)
- निषाद - शुद्ध (नि<sub>1</sub>)      कैशिकी (नि<sub>2</sub>)      काकली (नि<sub>3</sub>)

अलङ्कारः (रागम् : मायामालवगौळ)

१. चतुरश्र जाति ध्रुव ताल ( १ ० । । )

॥ स रि ग म । ग रि । स रि ग रि । स रि ग म ॥  
॥ रि ग म प । म ग । रि ग म ग । रि ग म प ॥  
॥ ग म प द । प म । ग म प म । ग म प द ॥  
॥ म प द नि । द प । म प द प । म प द नि ॥  
॥ प द नि स\* । नि द । प द नि द । प द नि स\* ॥  
॥ स\* नि द प । द नि । स\* नि द नि । स\* नि द प ॥  
॥ नि द प म । प द । नि द प द । नि द प म ॥  
॥ द प म ग । म प । द प म प । द प म ग ॥  
॥ प म ग रि । ग म । प म ग म । प म ग रि ॥  
॥ म ग रि स । रि ग । म ग रि ग । म ग रि स ॥

२. चतुरश्र जाति मध्य ताल ( १ ० । । )

॥ स रि ग रि । स रि । स रि ग म ॥  
॥ रि ग म ग । रि ग । रि ग म प ॥  
॥ ग म प म । ग म । ग म प द ॥  
॥ म प द प । म प । म प द नि ॥  
॥ प द नि द । प द । प द नि स\* ॥  
॥ स\* नि द नि । स\* नि । स\* नि द प ॥  
॥ नि द प द । नि द । नि द प म ॥

॥ द प म प । द प । द प म ग ॥  
 ॥ प म ग म । प म । प म ग रि ॥  
 ॥ म ग रि ग । म ग । म ग रि स ॥

### ३. चतुरश्र जाति रूपक ताल ( ० । )

॥ स रि । स रि ग म ॥  
 ॥ रि ग । रि ग म प ॥  
 ॥ ग म । ग म प द ॥  
 ॥ म प । म प द नि ॥  
 ॥ प द । प द नि स\* ॥  
 ॥ स\* नि । स\* नि द प ॥  
 ॥ नि द । नि द प म ॥  
 ॥ द प । द प म ग ॥  
 ॥ प म । प म ग रि ॥  
 ॥ म ग । म ग रि स ॥

### ४. मिश्र जाति झम्प ताल (। उ ०)

॥ स रि ग स रि स रि । ग । म , ॥  
 ॥ रि ग म रि ग रि ग । म । प , ॥  
 ॥ ग म प ग म ग म । प । द , ॥  
 ॥ म प द म प म प । द । नि , ॥

॥ प द नि प द प द । नि । सँ\* , ॥  
 ॥ सँ\* नि द सँ\* नि सँ\* नि । द । प , ॥  
 ॥ नि द प नि द नि द । प । म , ॥  
 ॥ द प म द प द प । म । ग , ॥  
 ॥ प म ग प म प म । ग । रि , ॥  
 ॥ म ग रि म ग म ग । रि । स , ॥

#### ५. तिश्च जाति त्रिपुट ताल ( १ ० ० )

॥ स रि ग । स रि । ग म ॥  
 ॥ रि ग म । रि ग । म प ॥  
 ॥ ग म प । ग म । प द ॥  
 ॥ म प द । म प । द नि ॥  
 ॥ प द नि । प द । नि सँ\* ॥  
 ॥ सँ\* नि द । सँ\* नि । द प ॥  
 ॥ नि द प । नि द । प म ॥  
 ॥ द प म । द प । म ग ॥  
 ॥ प म ग । प म । ग रि ॥  
 ॥ म ग रि । म ग । रि स ॥

#### ६. खण्ड जाति अट्ट ताल ( १ १ ० ० )

॥ स रि , ग , । स , रि ग , । म , । म , ॥

॥ रि ग , म , । रि , ग म , । प , । प , ॥  
 ॥ ग म , प , । ग , म प , । द , । द , ॥  
 ॥ म प , द , । म , प द , । नि , । नि , ॥  
 ॥ प द , नि , । प , द नि , । सँ , । सँ , ॥  
 ॥ सँ नि , द , । सँ , नि द , । प , । प , ॥  
 ॥ नि द , प , । नि , द प , । म , । म , ॥  
 ॥ द प , म , । द , प म , । ग , । ग , ॥  
 ॥ प म , ग , । प , म ग , । रि , । रि , ॥  
 ॥ म ग , रि , । म , ग रि , । स , । स , ॥

#### ५. चतुरश्र जाति एक ताल ( । )

॥ स रि ग म ॥ रि ग म प ॥  
 ॥ ग म प द ॥ म प द नि ॥  
 ॥ प द नि सँ ॥ सँ नि द प ॥  
 ॥ नि द प म ॥ द प म ग ॥  
 ॥ प म ग रि ॥ म ग रि स ॥

## पिळ्ळारि गीतानि

### १. श्री गणनाथ

रागम् : मलहरि

तालम् : रूपक

आरोहणम् : स रि<sub>1</sub> म<sub>1</sub> प द<sub>1</sub> स<sup>\*</sup>

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

अवरोहणम् : स<sup>\*</sup> द<sub>1</sub> प म<sub>1</sub> ग<sub>3</sub> रि<sub>1</sub> स

॥	म	प	द	स <sup>*</sup>	स <sup>*</sup>	रि <sup>*</sup>	॥	रि <sup>*</sup>	स <sup>*</sup>	द	प	म	प	॥
	श्री		ग	ण	ना	थ		सिन्	धू		र	व	र्ण	
	सिद्	ध	चा		र	ण		ग	ण	से		वि	त	
	स	क	ल	वि	द्या			आ	दि	पू		जि	त	
॥	रि	म	प	द	म	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	क	रु	ण	सा	ग	रा		क	रि	व	द	ना		
	सिद्	धि	वि	ना	य	का		ते		न	मो	न	मो	
	सर्		वो		त्त	म		ते		न	मो	न	मो	
॥	स	रि	म	,	ग	रि	॥	स	रि	ग	रि	स	,	॥
	लम्		बो		द	र		ल	कु	मि	क	र		
॥	रि	म	प	द	म	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	अम्		बा		सु	त		अ	म	र	वि	नु	त	

## २. कुन्द गौर

रागम् : मलहरि

तालम् : रूपक

आरोहणम् : स रि<sub>१</sub> म<sub>१</sub> प द<sub>१</sub> स\*

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

अवरोहणम् : स\* द<sub>१</sub> प म<sub>१</sub> ग<sub>३</sub> रि<sub>१</sub> स

॥	द	प	म	ग	रि	स	॥	रि	म	प	द	म	प	॥
	कुन्	द	गौ			र		गौ		रि		व	र	
	चन्	द	मा			म		मन्		दा		कि	नि	
	हि	म	कू			ट		सिम्		हा		स	न	
॥	द	रि*	रि*	स*	द	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	मन्	दि	रा			य		मा		न	म	कु	ट	
	मन्	दि	रा			य		मा		न	म	कु	ट	
	वि	रु	पा			क्ष		क	रु	णा		क	र	
॥	स		रि		रि		॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	मन्		धा		रा			कु	सु	मा		क	र	
॥	स	रि	प	म	ग	रि	॥	स	रि	ग	रि	स		॥
	म	क	रन्		दं			व		सि	तु	रे		



**रागाः**

मलहरि

कुन्द गौर, 21

श्री गणनाथ, 20

## रचयिता

श्री पुरन्दर दास

कुन्द गौर, 21

श्री गणनाथ, 20